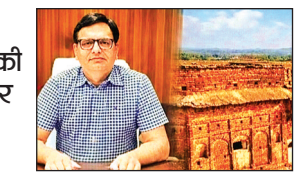
हरिभूमि

सागर-चम्बल भूमि फ्रंट पेज

भोपाल, शनिवार 12 सितंबर 2026

सागर | खुरई | बांदरी | जरुआखेड़ा | बीना | बंडा | राहतगढ़

04 स्टॉपओवर नहीं, पर्यटन की मंजिल की ओर टीकमगढ़ को बढ़ा रहे हैं ...



07 पीएम पोषण में रसोइया ने दिखाई शक्ति पति संग मिलकर...



खबर संक्षेप

नेशनल लोक अदालत में बकाया करों पर अधिभार में विशेष छूट

सागर। शासन के निर्देशानुसार शनिवार, 12 सितंबर को आयोजित नेशनल लोक अदालत में नगर पालिक निगम सागर द्वारा बकाया संपत्तिकर, जलकर एवं उपभोक्ता प्रभार जमा करने वाले करदाताओं को अधिभार (सरचार्ज) में विशेष एक दिवसीय छूट दी जाएगी। करदाताओं की सुविधा के लिए निगम के सभी संबंधित काउंटर कर्मचारियों की उपस्थिति में खुले रहेंगे। संपत्तिकर में 50 हजार रुपये तक की कुल बकाया राशि पर अधिभार में 100 प्रतिशत, 50 हजार से 1 लाख रुपये तक 50 प्रतिशत तथा 1 लाख रुपये से अधिक की राशि पर 25 प्रतिशत तक छूट मिलेगी। इसी प्रकार जलकर एवं उपभोक्ता प्रभार में 10 हजार रुपये तक की बकाया राशि पर 100 प्रतिशत, 10 हजार से 50 हजार रुपये तक 75 प्रतिशत तथा 50 हजार रुपये से अधिक की राशि पर अधिभार में 50 प्रतिशत छूट प्रदान की जाएगी। यह विशेष छूट केवल 12 सितंबर को ही उपलब्ध रहेगी। करदाता एमपी ई-नगरपालिका ऐप एवं पोर्टल के माध्यम से घर बैठे भी ऑनलाइन भुगतान कर सकते हैं। नगर निगम आयुक्त राजकुमार खत्री ने करदाताओं से अपील की है कि वे नेशनल लोक अदालत के अवसर का लाभ उठाकर अपने बकाया कर जमा करें और अधिभार में मिलने वाली विशेष छूट का लाभ प्राप्त करें।

अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित

सागर। डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के शिक्षा विभाग द्वारा 9 एवं 10 सितंबर को 60वें अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न शैक्षणिक एवं रचनात्मक प्रतियोगिताएं तथा साक्षरता रैली आयोजित की गई। 10 सितंबर को अभिमंच सभागार में आयोजित मुख्य समारोह में मुख्य अतिथि प्रो. अर्चना पांडे ने साक्षरता दिवस के इतिहास तथा बदलते युग में इसकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। माननीय कुलपति प्रो. यशवंत सिंह ठाकुर ने कहा कि केवल साक्षर होना पर्याप्त नहीं है, बल्कि हमारे आचरण, पारस्परिक व्यवहार और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी में भी शिक्षा प्रतिबिंबित होनी चाहिए। शिक्षा विभाग के अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार जैन ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को अपनी सामाजिक जिम्मेदारी समझने और निभाने की प्रेरणा देते हैं। संयोजक डॉ. मेघा दास ने कहा कि साक्षरता केवल अक्षर ज्ञान नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता का माध्यम है। कहानी, कविता और कला जैसे रचनात्मक माध्यमों से भी समाज में साक्षरता एवं जागरूकता का संदेश पहुंचाया जा सकता है। इस अवसर पर प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मेडल एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए तथा डॉ. मेघा दास द्वारा लिखित दो पुस्तकों का विमोचन किया गया।

निगमायुक्त खत्री ने राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक ली

सागर। नगर निगम आयुक्त राजकुमार खत्री ने गुरुवार को नगर निगम के राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक लेकर वार्डवार राजस्व वसूली की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में राजस्व अधिकारी बृजेश तिवारी सहित सभी राजस्व निरीक्षक, जोन प्रभारी एवं समस्त वार्डों के कर संग्राहक उपस्थित रहे। निगमायुक्त ने बैठक में संपत्तिकर, जलकर, कचरा प्रबंधन शुल्क, दुकानों का किराया सहित नगर निगम के विभिन्न करों की वार्डवार स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि निर्धारित लक्ष्य के अनुसार सभी करों की शत-प्रतिशत वसूली सुनिश्चित की जाए तथा बकाया राशि की वसूली के लिए नियमित रूप से संबंधित करदाताओं से संपर्क किया जाए।

जहरीली शराब कांड का मुख्य आरोपी रवि लखेरा मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बोले: किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं

पुलिस पर तीन राउंड फायरिंग, जवाबी कार्रवाई में पैर में लगी गोली

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

बंडा अनुविभाग के बहुचर्चित जहरीली शराब कांड में पुलिस को गुरुवार तड़के बड़ी सफलता मिली। मामले के मुख्य आरोपी और इनामी अंतरराज्यीय शराब तस्कर रवि लखेरा को बरायठा थाना क्षेत्र में पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी ने पुलिस टीम पर तीन राउंड फायरिंग की, जिसके जवाब में की गई कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी। घायल आरोपी को पुलिस अभिरक्षा में उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है।

जानकारी के अनुसार 11 सितंबर की तड़के बरायठा पुलिस को सूचना मिली थी कि जहरीली शराब कांड का मुख्य आरोपी रवि लखेरा क्षेत्र के हनुमान टोर मंदिर के पास जंगल में छिपा हुआ है। सूचना मिलते ही बंडा थाना प्रभारी आनंद सिंह और बरायठा थाना प्रभारी अरविंद सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीमों ने इलाके की घेराबंदी कर सर्चिंग शुरू की।

पुलिस को देखते ही की फायरिंग

पुलिस टीम के करीब पहुंचते ही रवि लखेरा ने पुलिस पर तीन राउंड फायरिंग कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें आरोपी के पैर में गोली लगी और उसे मौके पर ही दबोच लिया गया। हालांकि अंधेरे और जंगल का फायदा उठाकर उसके दो साथी मौके से फरार हो गए। दोनों की तलाश में पुलिस टीमों द्वारा जंगल और आसपास के क्षेत्रों में कॉम्बिंग ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

कट्टा, कारतूस और बाइक जब्त

पुलिस ने आरोपी रवि लखेरा के कब्जे से 12 बोर का एक देशी कट्टा, एक जिंदा कारतूस, तीन खाली कारतूस और एक



मोटरसाइकिल जब्त की है। पुलिस फरार साथियों की तलाश के साथ ही मामले में आरोपी के नेटवर्क और शराब की सप्लाई से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही है।

सीएम बोले: मुख्य आरोपी का हुआ शॉर्ट एनकाउंटर

मामले को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि सागर की घटना और कानून-व्यवस्था को लेकर प्रशासन को कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि शराब कांड के मुख्य आरोपी का शॉर्ट एनकाउंटर किया गया है और प्रदेश में नशाखोरी तथा नशे के कारोबार से जुड़े लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

31 मौतों की चर्चा, प्रशासन ने 16 की पुष्टि

जहरीली शराब कांड में मौतों के आंकड़े को लेकर अलग-अलग जानकारी सामने आ रही है। अब तक 31 लोगों की मौत की बात सामने आई है, जबकि प्रशासन ने फिलहाल 16 मौतों की आधिकारिक पुष्टि की है। गुरुवार को बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज में भर्ती तीन और मरीजों के दम तोड़ने की जानकारी सामने आई। घटना के बाद से प्रशासन और पुलिस लगातार कार्रवाई कर रहे हैं।

आरोपियों के अवैध निर्माणों पर चला बुलडोजर

मामले में शामिल आरोपियों के खिलाफ प्रशासन ने भी कार्रवाई तेज कर दी है। गुरुवार को तीन आरोपियों मनीष लोधी, करणी सेना के संभागीय अध्यक्ष चंद्रभान सिंह राजपूत और आशीष साहू के पांच मकानों के अवैध हिस्सों पर बुलडोजर चलाकर उन्हें ध्वस्त किया गया।

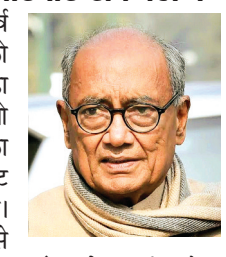
33 आरोपी, 18 गिरफ्तार; 13 की तलाश जारी

पुलिस ने इस मामले में अब तक कुल 33 लोगों को आरोपी बनाया है। मुख्य आरोपी रवि लखेरा समेत 18 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। एक आरोपी की मौत हो चुकी है, जबकि एक अन्य आरोपी अस्पताल में भर्ती बताया जा रहा है। पुलिस के अनुसार मामले में 13 आरोपी अब भी फरार हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है।

25 से अधिक मामलों में आरोपी रहा है रवि

पुलिस के अनुसार रवि लखेरा मूल रूप से छतरपुर जिले के महोबा क्षेत्र का रहने वाला है और उसके खिलाफ 25 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें अधिकांश प्रकरण आबकारी अधिनियम से जुड़े बताए जा रहे हैं। वह वर्ष 2025 में सागर के बहेरिया थाना क्षेत्र में दर्ज आबकारी मामले में भी फरार चल रहा था। इससे पहले ललितपुर पुलिस भी उसे अवैध शराब फैक्ट्री के मामले में गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस अब उससे पूछताछ कर जहरीली शराब के निर्माण, सप्लाई और पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह आज सागर जिले के दौरे पर रहेंगे, मृतकों के परिवार से मिलेंगे



सागर। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह 12 सितंबर को सागर जिले के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान बंडा विधानसभा क्षेत्र में जहरीली शराब से हुई मौतो को लेकर बंडा विधानसभा के विभिन्न ग्रामों का में जाकर मृतक परिवारों में शोक संवेदनाएं प्रकट करेंगे एवं स्थानीय ग्रामीणों से चर्चा करेंगे। दिग्विजय सिंह जी 12 सितंबर को छतरपुर से प्रस्थान कर दोपहर 12:20 पर शाहगढ पहुंचेंगे, जहाँ खाटोरा खुर्द, पापेट, मोली, धुरमार, रावरा, बुडना एवं गुगरा ग्राम जाएगे। शाम 5 बजे जिला युवा कांग्रेस, सागर द्वारा बण्डा जहरीली शराब कांड में मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु मकरोनिया में कैंडल मार्च में शामिल होंगे। शाम 5.30 बजे जिला ग्रामीण कांग्रेस कार्यालय, पदमाकर नगर, मकरोनिया में कार्यकर्ताओं से चर्चा करेंगे। शाम 6 बजे जहरीली शराब से पीड़ित परिवारों से मुलाकात करने बुंदेलखण्ड मेडिकल कॉलेज पहुंचेंगे। 6.30 बजे स्थानीय काँग्रेस कार्यकर्ताओं से सर्किट हाउस, सागर में मुलाक़ात करेंगे। रात्रि 9 बजे पूज्य संत श्री रविशंकर जी महाराज से भेंट करने जाएगे। रात्रि विश्राम सर्किट हाउस, सागर में करेंगे। इस दौरान जिला कांग्रेस कमेटी सागर ग्रामीण अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह मुहासा एवं जिले के वरिष्ठ नेता गण साथ रहेंगे। उक्ताशय की जानकारी जिला मीडिया प्रभारी सागर ग्रामीण अभिषेक गौर ने प्रेस को दी।



अवैध शराब : भगवती मानव कल्याण संगठन एवं भारतीय शक्ति चेतना पार्टी ने सौंपा ज्ञापन

गढ़ाकोटा। सागर जिले के बंडा क्षेत्र में जहरीली शराब से हुई मौतों के बाद अब गढ़ाकोटा क्षेत्र में भी अवैध शराब की बिक्री और लायसेंसी दुकानों से गांवों व ढाबों तक शराब पहुंचाए जाने का मामला उठाया गया है। भगवती मानव कल्याण संगठन एवं भारतीय शक्ति चेतना पार्टी गढ़ाकोटा ने थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपकर अवैध शराब के कारोबार पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि गढ़ाकोटा थाना क्षेत्र की रोन, बस स्टैंड गढ़ाकोटा तथा बसारी चौराहा स्थित लायसेंसी शराब दुकानों से गांवों के साथ ग्रामीण एवं शहरी ढाबों तक शराब पहुंचाई जा रही है। संगठन ने संबंधित दुकानों के सीसीटीवी फुटेज की जांच कर कार्रवाई करने तथा दोषी पाए जाने पर लाइसेंस निरस्त करने की मांग की। संगठन ने क्षेत्र में शराब बिक्री के संदिग्ध ठिकानों पर छापामार कार्रवाई, शराब दुकानों से सैंपल लेकर जांच कराने, अवैध शराब बेचने वालों पर कठोर कार्रवाई तथा शराब दुकानों में काम करने वाले कर्मचारियों की सूची दुकान के बाहर चस्पा करने की मांग की है। ज्ञापन में चेतावनी दी गई कि यदि मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो संगठन क्षेत्रवासियों के साथ मिलकर विशाल धरना-प्रदर्शन करेगा। ज्ञापन संगठन एवं भारतीय शक्ति चेतना पार्टी की ओर से सौंपा गया।

जिनवाणी पालकी चल समारोह यात्रा निकाली



सागर। श्री तारण तरण जैन समाज द्वारा चैत्यालय में जिनवाणी बेदी पर पुनः स्वर्ण जनित करने भव्य पालकी यात्रा शोभा निकुंज राजीव नगर से मोती नगर चौराहा, चमेली चौक होकर इतवारी स्थित चैत्यालय पहुंची श्री जिनवाणी की पालकी यात्रा में समाज के सैकड़ो महिला पुरुष भजन गाते हुए चल रहे थे। बेदी तैयार करने का सौभाग्य श्रीमंत सेठ स्व. हुकमचंद जैन आदर्श रानी जैन की स्मृति में परिवार के स्वदेश जैन गुड्डूभैया, प्रकाश जैन छोटे गुड्डू, प्रिंस जैन, हर्ष जैन पर्व जैन मानस जैन परिवार को प्राप्त हुआ। बेदी पर पुनः जिनवाणी एवं कलश स्थापन का कार्यक्रम प्रतिष्ठाचार्य रतनलाल जैन भोपाल, प्रतिष्ठा रत्न नीलेश जैन सुहागपुर के निर्देशन में शुक्रवार को दोपहर में विधि विधान से किया गया। सुबह 7 बजे से नित्य भाव पूजा चैत्यालय मैं शुरू हुई। सुबह 9:30 बजे से श्री पालकी जी की शोभायात्रा प्रारंभ हुई चैत्यालय में शिखर पर ध्वजारोहण हुआ उसके पश्चात मंगल कलश स्थापन के साथ जिनवाणी जी का बेदी पर पुनः स्थापन और कलश का पुनः स्थापन, छत्र, चंवर, दंड साज सज्जा से स्थापित हुए। यात्रा में युवा वर्ग अलग-अलग टोली में भजन मंडली भजन गाते हुए चल रही थी जगह-जगह पालकी में स्थापित जिनवाणी की आरती उतारी गई। कार्यक्रम के अंत में विद्वानों ने कार्यक्रम के महत्व को बताया और अंत में पात्र भावना के साथ तीन दिवसीय कार्यक्रम का समापन हो गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मुकेश जैन ढाना, अनिल नैनधरा, चक्रेश सिंघई, पंकज सिंघई, सतीश घड़ी साज, दीपक बैसाखिया, राजीव जैन, संजय जैन, अंकुर समैया, अनुराग समैया, समकित जैन, तरुण समैया, सहित बड़ी संख्या में महिलाएं पुरुष उपस्थित थे।

मालथौन में प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, 50 से अधिक ढाबा-होटल-टपरों पर चला बुलडोजर

बंडा शराब प्रकरण के आरोपी का अवैध ढाबा भी हटाया गया

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर



सागर जिले में शासकीय भूमि पर अतिक्रमण के विरुद्ध जिला प्रशासन का सख्त अभियान निरंतर जारी है। इसी क्रम में मालथौन अनुविभाग के मालथौन टोल टैक्स के आसपास राष्ट्रीय राजमार्ग 44 के किनारे शासकीय भूमि पर अवैध रूप से संचालित लगभग 50 से अधिक ढाबा, होटल, दुकानों एवं टपरों पर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई एवं करोड़ों रुपये मूल्य की शासकीय भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया।

अनुविभागीय अधिकारी सतीश वर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर शासकीय भूमि पर अवैध रूप से अतिक्रमण कर दुकानें एवं ढाबे संचालित किए जा रहे थे, जहां से अवैध शराब एवं नशीले पदार्थ बेचे जाने की शिकायतें प्राप्त हो रही थीं।

एसडीएम सतीश वर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग की शासकीय भूमि पर अवैध रूप से संचालित ढाबों और दुकानों पर प्रशासन ने सख्त कार्यवाही की है। अनुविभागीय अधिकारी सतीश वर्मा ने बताया कि इन स्थानों से अवैध शराब व नशीले पदार्थ बेचे जाने की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। पूर्व में नोटिस देने और आज सुबह मुनादी कराकर यह कार्रवाई की गई है। अब तक कई अवैध ढाबों पर बुलडोजर चल चुका है और टोल टैक्स के आगे भी यह कार्यवाही निरंतर जारी है।

बंडा तहसीलदार मोहित जैन ने कहा कि इसी प्रकार बंडा शराब प्रकरण के आरोपी मनीष लोधी द्वारा संचालित अवैध ढाबे पर भी प्रशासन ने कार्यवाही करते हुए उसे जमींदोज किया गया है।



अवैध शराब के बड़े गोदाम का पर्दाफाश; आबकारी टीम ने जब्त की 10 लाख से ज्यादा की मदिरा

सागर। जिला आबकारी विभाग की टीम ने अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बंडा और बाछलोन क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए 10.3 लाख रुपये मूल्य की अवैध मदिरा बरामद की है। पहली कार्रवाई 10 सितंबर की देर रात बंडा क्षेत्र के ग्राम हीरापुर (थाना शाहगढ़) में की गई। मुखबिर की सूचना पर आबकारी अमले ने फरार आरोपी मनीष लोधी द्वारा शराब गोदाम के रूप में इस्तेमाल किए जा रहे मकान पर छापा मारा। तलाशी के दौरान विभिन्न विदेशी मदिरा ब्रांड की 261 बल्क लीटर शराब बरामद हुई, जिसकी अनुमानित कीमत 2.8 लाख रुपए है। आरोपी के खिलाफ म.प्र. आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)क, 34(2) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। दूसरी कार्रवाई 11 सितंबर को वृत्त आंतरिक क्षेत्र के ग्राम बाछलोन में की गई। यहाँ एक खाली मकान की तलाशी लेने पर 96 पेटी विदेशी मदिरा, बीयर और देशी मदिरा (कुल 164 बल्क लीटर) जब्त की गई, जिसकी कीमत लगभग 7.5 लाख रुपए आंकी गई है। इस मामले में भी आबकारी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही है।

देशज खेलों को प्रोत्साहन देगा अंतर विश्वविद्यालय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन : कुलपति

विश्वविद्यालय के तत्त्वावधान में भारतीय विश्वविद्यालय संघ के पश्चिम क्षेत्रीय अंतर विश्वविद्यालय कबड्डी/पुरुष प्रतियोगिता का आयोजन 13 से 18 नवम्बर को

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर



डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर को भारतीय विश्वविद्यालय संघ के पश्चिम क्षेत्रीय अंतर विश्वविद्यालय कबड्डी (पुरुष) प्रतियोगिता के आयोजन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस सम्बन्ध में आयोजित प्रेस वार्ता में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वाय.एस. ठाकुर, शारीरिक शिक्षा के निदेशक डॉ. विवेक साठे, बी.टी.ई. समूह के मार्गदर्शक प्रो. सुबोध जैन, डीसीडीसी प्रो. नेत्रपाल सिंह, बी.टी.आई.आर.टी. के निदेशक डॉ. सत्येन्द्र जैन, बी.टी.आई ई के निदेशक डॉ. संदीप जैन, महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. राजू टंडन, विवि जनसंपर्क अधिकारी डॉ. विवेक जायसवाल उपस्थित थे। वार्ता को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वाय. एस. ठाकुर ने कहा कि विश्वविद्यालय में लगातार अंतर विश्वविद्यालयी प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। इसके पूर्व भी हैंडबाल (पुरुष) का आयोजन किया गया था और हाल ही में युवा महोत्सव का आयोजन विश्वविद्यालय में किया गया था। इस वर्ष भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली ने कबड्डी (पुरुष) प्रतियोगिता आयोजित करने की जिम्मेदारी सौंपी है। इस दिशा में शारीरिक शिक्षा विभाग के माध्यम से यह आयोजन विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालय बी.टी.आई.आर.टी., सिरोंजा सागर परिसर में आयोजित की जायेगी। उन्होंने कहा कि खेल से मन, तन दोनों स्वस्थ रहते हैं. इसी अंचल से क्रांति गौड़ जैसी खिलाड़ी भी अपनी प्रतिभा का परिचय अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर दे रहे हैं। हमारी जिम्मेदारी है कि हम युवाओं में खेल भावना को प्रोत्साहित करें और युवाओं में देशज खेल के साथ-साथ अन्य खेलों के प्रति रूचि भी जाग्रत करें ताकि वे अपना कौशल भी विकसित कर सकें और अपने शरीर को भी स्वस्थ रख सकें। शारीरिक शिक्षा के निदेशक डॉ. विवेक साठे ने आयोजन के सम्बन्ध में जानकारी देते हुए बताया कि पश्चिम क्षेत्रीय अंतर-विश्वविद्यालय कबड्डी (पुरुष) प्रतियोगिता 2026-27 का आयोजन 13 नवम्बर से 18 नवम्बर तक बी.टी.आई.आर.टी. महाविद्यालय के सिरोंजा स्थित परिसर में किया जाएगा जिसमें पश्चिम क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मध्यप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान एवं गोवा राज्यों के लगभग 150 से अधिक विश्वविद्यालयों की टीम प्रतिभागिता करेंगी। प्रतियोगिता में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों से लगभग 2000 खिलाड़ी एवं खेल अधिकारी शामिल होंगे। इतनी बड़ी संख्या में खिलाड़ियों के सागर आगमन से शहर की खेल गतिविधियों को नई गति मिलेगी तथा स्थानीय स्तर पर कबड्डी खेल के प्रति युवाओं और खिलाड़ियों में जागरुकता एवं उत्साह बढ़ेगा। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता का आयोजन अखिल भारतीय विश्वविद्यालय संघ के निर्धारित खेल नियमों के अनुसार नॉक आउट एवं लीग पद्धति से किया जाएगा।

बी.टी.आई.ई महाविद्यालय के निदेशक सत्येन्द्र जैन ने आयोजन की रूपरेखा और खिलाड़ियों के लिए आवश्यक सुविधाओं को विस्तारपूर्वक साझा करते हुए बताया कि हम इस प्रतियोगता का आयोजन वृहद् स्तर पर करेंगे और विश्वविद्यालय के मार्गदर्शन में खेल, आवास एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था के लिए तत्पर हैं। यह आयोजन गौरव का अवसर है। विद्यार्थियों एवं शहरवासियों में इस आयोजन से एक नई ऊर्जा का संचार होगा।प्राचार्य डॉ. राजू टंडन ने इस आयोजन के प्रस्ताव एवं स्वीकृति को लेकर विस्तारपूर्वक जानकारी साझा करते हुए कहा कि हमारा महाविद्यालय, विश्वविद्यालय से सम्बद्ध होने के नाते एक इकाई की तरह है और विश्वविद्यालय के निर्देशन और मार्गदर्शन में हमें यह आयोजन करने का अवसर प्राप्त हुआ है।

'छात्रों की गूंज' को लेकर छात्र संवाद संपन्न, राहुल गांधी के कार्यक्रम को सफल बनाने का लिया संकल्प

सागर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के इंदौर में आयोजित होने वाले 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु जिला शहर कांग्रेस कमेटी सागर द्वारा द्वितीय चरण के तहत छात्र संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में छात्रों की गूंज कार्यक्रम का रजिस्ट्रेशन भी किया गया। यह आयोजन डॉ. सर हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय, सागर में डॉ. हरिसिंह गौर जी की प्रतिमा के पास आयोजित हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं एवं कांग्रेसजनों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला शहर कांग्रेस अध्यक्ष महेश जाटव ने की। जिला शहर कांग्रेस अध्यक्ष महेश जाटव ने कहा कि देश के लोकतंत्र और संविधान को बचाने की लड़ाई में छात्र शक्ति की सबसे बड़ी भूमिका है। राहुल गांधी लगातार छात्रों, युवाओं और बेरोजगारों की आवाज बनकर केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज विश्वविद्यालयों में फीस वृद्धि, छात्रवृत्ति में कटौती, पेपर लीक और बेरोजगारी जैसे मुद्दों से छात्र परेशान हैं। 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम इसी आवाज को बुलंद करने का मंच है। उन्होंने सभी छात्रों से इंदौर चलने का आह्वान किया।संगठन महासचिव रामकुमार पचौरी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से छात्र हितों की रक्षक रही है। एनएसयूआई और युवा कांग्रेस के माध्यम से हम छात्रों के बीच जाकर उनकी समस्याओं को समझ रहे हैं। यह छात्र संवाद सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि छात्रों के भविष्य की तैयारी है। इंदौर में राहुल गांधी जी सीधे छात्रों से संवाद कर उनके सवालों का जवाब देंगे।युवा कांग्रेस अध्यक्ष सागर साहू ने कहा कि वर्तमान सरकार में युवा सबसे ज्यादा परेशान है।

हमारी संस्कृति, हमारी विरासत रूपी कलेक्टर की पहल से बदल रही सोच

स्टॉपओवर नहीं, पर्यटन की मंजिल की ओर टीकमगढ़ को बढ़ा रहे हैं कलेक्टर श्रोत्रिय

इतिहास को मिल रही नई पहचान

हरिभूमि न्यूज ⏭ टीकमगढ़

बुंदेलखंड की धरती पर इतिहास केवल किताबों में दर्ज नहीं है, बल्कि यहां के किले, मंदिर, महल, तालाब और स्थापत्य कला आज भी बीते वैभव की कहानी कहते हैं। लेकिन लंबे समय तक पर्यटन के नक्शे पर टीकमगढ़ की पहचान मुख्य रूप से ओरछा और खजुराहो की ओर जाने वाले रास्ते के एक स्टॉपओवर अर्थात रास्ते का ठहराव रूप तक ही सीमित रही। लेकिन अब कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय द्वारा जिले की इस स्टॉपओवर रूपी पहचान और तस्वीर को बदलने की कोशिश दिखाई दे रही है। जिले की ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित कर उसे पर्यटन की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय द्वारा किए जा रहे प्रयासों ने इस दिशा में नई उम्मीद पैदा की है। कलेक्टर बनने के बाद श्रोत्रिय ने जिले की विरासत को जनभागीदारी और जनजागरूकता से जोड़ने की पहल की है।





कलेक्टर पहल का शुरुआती परिणाम दिखा उत्कृष्ट विद्यालय में

कलेक्टर श्रोत्रिय की जागरूकता से जुड़ी, हमारी संस्कृति, हमारी विरासत जैसी पहल अब जमीन पर अपना असर दिखाने लगी है। इसकी एक खूबसूरत तस्वीर शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में देखने को मिली, जहां विद्यालय के प्राचार्य सुनील श्रीवास्तव ने विद्यालय की खाली दीवारों को टीकमगढ़ की ऐतिहासिक धरोहरों के चित्रों से सजा दिया। उत्कृष्ट विद्यालय के मीटिंग हॉल के अग्रभाग में जिले की विरासतों के सुंदर चित्रों के माध्यम से इतिहास को जीवंत किया गया। कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय ने प्राचार्य की पहल की सराहना करते हुए कहा कि वातावरण बदलने से केवल व्यवस्था नहीं बदलती, बल्कि सोच भी बदलती है और बदली हुई सोच ही उत्कृष्ट सेवा का आधार बनती है। यही वह बदलाव है, जिसे कलेक्टर श्रोत्रिय की पहल का शुरुआती परिणाम माना जा सकता है।

मोहनगढ़ किले को मिला पर्यटन विकास का रास्ता

जिले की ऐतिहासिक धरोहरों को पर्यटन से जोड़ने की दिशा में मोहनगढ़ किला एक महत्वपूर्ण पड़ाव बनकर सामने आया है। मोहनगढ़ तहसील स्थित ऐतिहासिक मोहनगढ़ किले एवं उससे संलग्न शासकीय भूमि को पर्यटन गतिविधियों के विकास और संचालन के लिए पर्यटन विभाग को हस्तांतरित करने का निर्णय लिया गया है। कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय द्वारा राजस्व प्रकरण में जारी आदेश के अनुसार मोहनगढ़ में कुल 1.951 हेक्टेयर शासकीय भूमि में से श्री 1008 चतुर्भुज भगवान मंदिर के लिए आरक्षित 0.300 हेक्टेयर भूमि को छोड़कर 1.651 हेक्टेयर भूमि पर निर्मित किला एवं संलग्न भूमि पर्यटन विभाग को हस्तांतरित की जाएगी।

स्मारकों पर इतिहास की पट्टिकाएं, देगी विरासत का परिचय

जिले की पुरातात्विक और ऐतिहासिक धरोहरों को पर्यटन सर्किट से जोड़ने के लिए जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद के माध्यम से भी प्रयास किए जा रहे हैं। प्रमुख ऐतिहासिक स्मारकों और मंदिरों पर इतिहास और महत्व से संबंधित शिलालेख एवं विवरण पट्टिकाएं लगाने की पहल की जा रही है। इसका महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि किसी पर्यटन स्थल की खूबसूरती पर्यटक को आकर्षित कर सकती है, लेकिन उसकी कहानी पर्यटक को उससे जोड़ती है। टीकमगढ़ की धरोहरों को उनके इतिहास के साथ प्रस्तुत करने से यहां आने वाले लोगों को जिले के अतीत को समझने का अवसर मिलेगा। नजरबाग परिसर और गीता भवन जैसी सांस्कृतिक धरोहरों को भी संवारने की दिशा में योजनाएं तैयार की जा रही हैं।

किले-मंदिर बचेंगे तो रोजगार के नए रास्ते भी खुलेंगे

विरासत संरक्षण का असर केवल इतिहास तक सीमित नहीं रहता। जब किसी क्षेत्र को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जाता है तो सड़क, बिजली, पानी, स्वच्छता, ठहरने और अन्य सुविधाओं के विकास के साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी गति मिलती है। टीकमगढ़ में पर्यटन का विस्तार होने पर स्थानीय गाइड, होटल-रेस्टोरेंट संचालक, वाहन चालक, छोटे दुकानदार, हस्तशिल्प कलाकार और स्थानीय उत्पादों से जुड़े लोगों के लिए रोजगार के अवसर बढ़ सकते हैं। धार्मिक और ऐतिहासिक पर्यटन का विस्तार गांवों और छोटे कस्बों तक आर्थिक गतिविधियों को पहुंचाने का माध्यम भी बन सकता है। कुल मिलाकर कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय द्वारा बोया गया, हमारी संस्कृति, हमारी विरासत नाम का बीज अब प्रशासनिक प्रयासों से आगे बढ़कर सामाजिक चेतना का रूप लेता दिखाई दे रहा है। उत्कृष्ट विद्यालय की दीवारों पर उभरती ऐतिहासिक तस्वीरें इसी बदलाव की पहली खूबसूरत झलक हैं। यदि यह सोच लगातार आगे बढ़ी तो आने वाले समय में टीकमगढ़ की पहचान सिर्फ स्टॉपओवर की नहीं, बल्कि बुंदेलखंड के एक ऐसे पर्यटन केंद्र की हो सकती है, जहां इतिहास देखने नहीं, अनुभव करने के लिए लोग ठहरें।

मड़खेरा सूर्य मंदिर इतिहास को पढ़ेगा पर्यटक

मड़खेरा का प्राचीन सूर्य मंदिर टीकमगढ़ की उन धरोहरों में शामिल है, जिनमें इतिहास, स्थापत्य और धार्मिक आस्था एक साथ दिखाई देती है। कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय स्वयं मंदिर क्षेत्र का निरीक्षण कर चुके हैं और इसे प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार किए जाने की दिशा में प्रयास जारी हैं। मंदिर और आसपास के क्षेत्र में पर्यटकों की सुविधा बढ़ाने के साथ-साथ धरोहर के इतिहास को लोगों तक पहुंचाने के लिए हेरिटेज टीकमगढ़ लोगोयुक्त विशेष विवरण पट्टिकाएं लगाने की पहल भी की जा रही है। यानी अब यहां आने वाला पर्यटक केवल मंदिर को देखेगा ही नहीं, बल्कि उसकी ऐतिहासिक कहानी को भी जान सकेगा।

नजरबाग से राजराजेश्वरी तक, मंदिरों के कायाकल्प की कवायद

जिले की धार्मिक और ऐतिहासिक विरासत के संरक्षण का दायरा केवल बड़े पर्यटन स्थलों तक सीमित नहीं है। प्राचीन मंदिरों के जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण के प्रयास भी किए जा रहे हैं। हवेली रोड स्थित ऐतिहासिक मां राज राजेश्वरी मंदिर के कायाकल्प के लिए धर्मस्व विभाग द्वारा 23.60 लाख रुपये का बजट स्वीकृत किया गया है। कलेक्टर श्रोत्रिय के निर्देश पर मंदिर की छत की मरम्मत, जल निकासी और परिसर सौंदर्यीकरण का कार्य लोक निर्माण विभाग के माध्यम से कराया जा रहा है। वहीं नजरबाग के करीब 200 वर्ष पुराने श्रीराम-जानकी मंदिर की ऐतिहासिक भव्यता लौटाने के लिए क्षतिग्रस्त दीवारों के सुदृढ़ीकरण, पुताई, प्रकाश व्यवस्था और भगवान के राजभोग के लिए विशेष रसोईघर निर्माण जैसे कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में ग्राम डिकोली के प्राचीन नृसिंह मंदिर के लिए 57 लाख रुपये का बजट स्वीकृत किया गया है। मंदिर परिसर एवं भूमि को व्यवस्थित कर नवीन मंदिर परिसर के निर्माण की दिशा में काम किया जा रहा है।

ताल कोठी में इतिहास और आधुनिकता का संगम

टीकमगढ़ की ऐतिहासिक ताल कोठी को भी नए स्वरूप में विकसित करने की योजना प्रशासन की विरासत संरक्षण सोच का महत्वपूर्ण हिस्सा है। पानी पर बने इस खूबसूरत ऐतिहासिक महल को सांस्कृतिक केंद्र के रूप में पुनर्जीवित करने के लिए लगभग 20.42 करोड़ रुपये की लागत वाले प्रोजेक्ट की योजना है। इसके अंतर्गत पब्लिक लाइब्रेरी, क्राफ्ट इनक्यूबेशन सेंटर, लेकसाइड कैफे और सिटीजन एंगेजमेंट सेंटर जैसी सुविधाएं विकसित करने की योजना है।

शाखाओं में ठप रहा कामकाज

5 दिवसीय बैंकिंग की मांग पर बैंक कर्मचारियों की हड़ताल



हरिभूमि न्यूज ⏭ टीकमगढ़

सप्ताह में पांच दिवस बैंकिंग व्यवस्था लागू करने की मांग को लेकर शुक्रवार, 11 सितंबर को यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के आह्वान पर देशभर के साथ टीकमगढ़ जिले में भी बैंक अधिकारी एवं कर्मचारी हड़ताल पर रहे। हड़ताल के चलते जिले की विभिन्न बैंकों की शाखाओं में बैंकिंग कार्य प्रभावित रहा। बैंकिंग कार्य के लिए शाखाओं में पहुंचे ग्राहकों को परेशानी का सामना करना पड़ा और कई ग्राहकों को बिना काम कराए वापस लौटना पड़ा।

एसबीआई मुख्य शाखा के सामने कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

हड़ताल के समर्थन में विभिन्न बैंकों के अधिकारी एवं कर्मचारी भारतीय स्टेट बैंक की मुख्य शाखा के सामने एकत्रित हुए और प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों के हाथों में, पांच-दिवसीय बैंकिंग लागू करो, सहित अन्य मांगों से संबंधित बैनर, पोस्टर और तख्तियां थीं। कर्मचारियों ने नारेबाजी कर अपनी मांग के समर्थन में आवाज बुलंद की और लंबित मांग पर शीघ्र निर्णय लेने की मांग की। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए एसबीआई अधिकारी हरीश खरे ने कहा कि पांच-दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था लागू नहीं होने से देश के करीब 16 लाख बैंक कर्मचारियों और उनके परिवारों पर इसका प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि आरबीआई और केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में शनिवार और रविवार को अवकाश रहता है, ऐसे में बैंकों में भी सप्ताह में पांच दिवस कार्य व्यवस्था लागू किया जाना कर्मचारियों की जायज मांग है। उन्होंने कहा कि बैंक कर्मचारी भी अपने परिवार और सामाजिक जीवन के लिए पर्याप्त समय के हकदार हैं। हरीश खरे ने मांग पूरी नहीं होने की स्थिति में बैंकिंग संगठनों की आगामी रणनीति के संबंध में भी कर्मचारियों को जानकारी दी। एसबीआई पीली कोठी शाखा प्रबंधक प्रकाश हरदासानी ने कहा कि पांच-दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था लागू करने की मांग वर्ष 2024 के वेतन समझौते के बाद से लंबित है। उन्होंने कहा कि समझौते के बाद भी मांग पूरी नहीं होने से कर्मचारियों में असंतोष है और इस पर शीघ्र निर्णय लिया जाना चाहिए। प्रदर्शन को एसबीआई मुख्य शाखा के मुख्य प्रबंधक रवि शंकर सिंह, सेंट्रल बैंक शाखा प्रबंधक उपेंद्र अग्रवाल, एसबीआई अधिकारी संतोष पाठक एवं लीड बैंक मैनेजर के.एन. आर्या ने भी संबोधित किया। इस दौरान भारतीय स्टेट बैंक अवार्ड यूनियन के जिला प्रतिनिधि अजय तिवारी सहित सलीम खान, मुकेश कोरी, अमित यादव, कु. राशि जैन, श्रुति तिवारी सहित बड़ी संख्या में बैंक अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। हड़ताल के कारण बैंक शाखाओं में नियमित कामकाज प्रभावित होने से ग्राहकों को नकद निकासी, जमा, चेक सहित अन्य बैंकिंग कार्यों के लिए परेशानी उठानी पड़ी।

न्यायालय परिसर फिर बना अखाड़ा

सास ने चप्पलों से दामाद को पीटा

पारिवारिक विवाद की पेशी के दौरान बढ़ा विवाद



टीकमगढ़। न्यायालय परिसर एक बार फिर पारिवारिक विवाद के चलते मारपीट की घटना को लेकर चर्चा में आ गया है। न्यायालय में पेशी के लिए पहुंचे एक परिवार के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि एक महिला ने कथित तौर पर अपने दामाद की चप्पलों से पिटाई कर दी। घटना का वीडियो किसी मौजूद व्यक्ति द्वारा बना लिया गया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश के गुरसराय क्षेत्र का रहने वाला युवक अपनी पत्नी से जुड़े पारिवारिक विवाद के मामले में पेशी के लिए टीकमगढ़ न्यायालय पहुंचा था। युवक का ससुराल खरगापुर क्षेत्र के धर्मपुरा में बताया जा रहा है। पेशी के दौरान दोनों पक्ष न्यायालय परिसर में मौजूद थे। इसी दौरान किसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई और देखते ही देखते मामला मारपीट तक पहुंच गया। बताया जा रहा है कि विवाद की शुरुआत दामाद के भाई द्वारा उसकी भाभी के छोटे भाई की पत्नी से कथित तौर पर कुछ कहे जाने को लेकर हुई। इसी बात से नाराज होकर महिला ने अपने दामाद के साथ विवाद करते हुए कथित रूप से चप्पलों से उसकी पिटाई शुरू कर दी। इस दौरान न्यायालय परिसर में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी जैसी स्थिति बन गई। घटना के दौरान मौजूद किसी व्यक्ति ने मोबाइल फोन से पूरी घटना का वीडियो बना लिया। बाद में यही वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो में एक महिला युवक के साथ मारपीट करती नजर आ रही है। वीडियो सामने आने के बाद न्यायालय परिसर में हुई इस घटना को लेकर सोशल मीडिया पर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। हालांकि, घटना के पीछे का वास्तविक विवाद क्या था और दोनों पक्षों के बीच किस बात को लेकर कहासुनी हुई, इसकी पूरी स्थिति अभी स्पष्ट नहीं है।



योजना का होगा शुभारंभ, खर्च उठाएगी सरकार

17 सितंबर से ग्रामीण संपत्तियों को मिलेगा वैधानिक स्वामित्व

टीकमगढ़। ग्रामीण आबादी क्षेत्र में वर्षों से अपनी संपत्तियों पर काबिज लोगों को अब उनके स्वामित्व का वैधानिक आधार उपलब्ध कराने की दिशा में मध्यप्रदेश सरकार महत्वपूर्ण पहल करने जा रही है। प्रदेश में 17 सितंबर से स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन योजना का शुभारंभ किया जाएगा। योजना के माध्यम से पात्र ग्रामीण संपत्ति धारकों को उनकी संपत्ति से संबंधित कानूनी दस्तावेज उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू होगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी जिला अधिकारियों से योजना के क्रियान्वयन की तैयारियों की जानकारी ली और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। टीकमगढ़ में कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय ने अपर कलेक्टर शिवप्रसाद मंडराह, एसडीएम संस्कृति मुदित लटौरिया, डिप्टी कलेक्टर अंजली शर्मा एवं शुभ्रता त्रिपाठी सहित संबंधित अधिकारियों के साथ जिला मुख्यालय स्थित एनआईसी कक्ष से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में सहभागिता की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजना का लाभ ग्रामीण आबादी क्षेत्र में निवास करने वाले सभी पात्र संपत्ति धारकों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जाए। उन्होंने योजना के क्रियान्वयन से संबंधित तैयारियां निर्धारित समय-सीमा में पूरी करने तथा पात्र हितग्राहियों को उनके स्वामित्व अधिकार का लाभ दिलाना सुनिश्चित करने को कहा। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि योजना के क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। योजना का उद्देश्य ग्रामीण आबादी क्षेत्र की संपत्तियों को आधिकारिक और कानूनी पहचान प्रदान करना है। स्वामित्व से संबंधित पुख्ता दस्तावेज उपलब्ध होने से संपत्ति धारकों को अपने अधिकारों को प्रमाणित करने में सुविधा होगी। साथ ही संपत्ति का उपयोग आर्थिक गतिविधियों के लिए करने के रास्ते भी आसान होंगे। योजना की खास बात यह है कि अधिकार अभिलेखों के पंजीयन पर लगने वाले पंजीयन शुल्क और स्टाम्प ड्यूटी का शत-प्रतिशत खर्च राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। इसके चलते पात्र ग्रामीण संपत्ति धारकों को दस्तावेजों के पंजीयन के लिए अतिरिक्त आर्थिक भार नहीं उठाना पड़ेगा। योजना के तहत यह सेवा ग्रामीण संपत्ति धारकों के लिए निःशुल्क रहेगी। कानूनी रूप से मान्य स्वामित्व दस्तावेज मिलने के बाद संपत्ति धारकों के लिए बैंकिंग और वित्तीय सुविधाओं का लाभ लेना भी आसान हो सकता है। अपनी संपत्ति के आधार पर गृह निर्माण, कृषि कार्य अथवा व्यवसाय के विस्तार के लिए बैंक ऋण प्राप्त करने में उन्हें सुविधा मिलने की संभावना है। इस तरह ग्रामीण परिवारों की संपत्ति केवल रहने या उपयोग की जगह न रहकर आर्थिक गतिविधियों का आधार भी बन सकेगी। योजना के तहत डीड ऑफ कन्वेंस (हस्तांतरण विलेख) के निष्पादन की प्रक्रिया अपनाई जाएगी। इसमें विक्रेता पक्ष के रूप में मध्यप्रदेश शासन तथा क्रेता पक्ष के रूप में संबंधित संपत्ति का वास्तविक मालिक रहेगा। इस प्रक्रिया के माध्यम से संपत्ति धारक को उसके स्वामित्व का विधिक आधार उपलब्ध कराया जाएगा। टीकमगढ़ सहित प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में लोग आबादी क्षेत्र की संपत्तियों का उपयोग कर रहे हैं, लेकिन स्वामित्व से जुड़े दस्तावेजों की स्थिति कई मामलों में स्पष्ट नहीं रही है। ऐसे में योजना का प्रभावी क्रियान्वयन ग्रामीण परिवारों के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

बंडा में हुई मौतों के विरोध में गांधी चौराहे पर कैंडल मार्च, मृतकों को दी श्रद्धांजलि

शराब कांड पर गरजे पूर्व विधायक बोले... माफिया ही नहीं, पूरा सिस्टम हो कटघरे में

हरिभूमि न्यूज ⏭ टीकमगढ़

सागर जिले के बंडा क्षेत्र में जहरीली शराब के सेवन से हुई मौतों के विरोध में गुरुवार को टीकमगढ़ के गांधी चौराहे पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। पूर्व विधायक के.के. श्रीवास्तव के नेतृत्व में लोगों ने कैंडल मार्च निकालकर मृतकों को श्रद्धांजलि दी और दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा। इस दौरान मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच तथा दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की गई।

श्रद्धांजलि कार्यक्रम में पूर्व विधायक के.के. श्रीवास्तव ने जहरीली शराब से हुई मौतों को गंभीर घटना बताकर गरजते हुये कहा कि जांच का दायरा केवल अवैध शराब बेचने वाले माफिया लोगों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि जहरीली शराब कांड में शराब माफिया के साथ पूरा सिस्टम भी कटघरे में होना चाहिए। पूर्व विधायक केके ने सवाल उठाते हुए कहा कि यदि किसी क्षेत्र में लंबे समय से अवैध





शराब का कारोबार संचालित हो रहा था तो वहां पदस्थ जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों को इसकी भनक क्यों नहीं लगी। उन्होंने संबंधित क्षेत्र के अधिकारी, बीट पुलिसकर्मी, पटवारी, सरपंच और सचिव सहित जिम्मेदार अमले की भूमिका की भी जांच किए जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि अवैध शराब का कारोबार किसी एक दिन में खड़ा नहीं होता। यदि लंबे समय तक इस तरह की गतिविधियां चलती रहीं और जिम्मेदारों को इसकी जानकारी होने के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई तो यह भी जांच का विषय होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिस स्तर पर लापरवाही, अनदेखी या संरक्षण सामने आए, वहां जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। पूर्व विधायक श्रीवास्तव ने कहा कि आरोपियों की गिरफ्तारी और अवैध शराब के ठिकानों पर कार्रवाई जरूरी है, लेकिन इसके साथ ही उस पूरे नेटवर्क की तह तक जाना भी आवश्यक है, जिसके कारण अवैध शराब का कारोबार लंबे समय तक चलता रहा। उन्होंने यह पता लगाने की मांग की कि अवैध शराब के इस नेटवर्क को संरक्षण कहां से मिल रहा था और जिम्मेदार तंत्र समय रहते इसे रोकने में क्यों नाकाम रहा। श्रद्धांजलि सभा में शामिल लोगों ने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए मांग की कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष और प्रभावी जांच कर दोषियों के साथ-साथ लापरवाही बरतने वाले जिम्मेदारों की भूमिका भी सामने लाई जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

वर्षों बाद भी सैपुरा को नसीब नहीं हुआ मुक्तिधाम, श्मशान की जमीन पर अतिक्रमण का आरोप

तेज बारिश में पन्नी-तिरपाल के सहारे हुआ ग्रामीण का अंतिम संस्कार

हरिभूमि न्यूज ⏭ पलेरा

आजादी के दशकों बाद भी ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं की स्थिति किस कदर बदहाल है, इसकी तस्वीर पलेरा तहसील के ग्राम सैपुरा में शुक्रवार को देखने को मिली। गांव निवासी 62 वर्षीय हलकाई अहिरवार के अंतिम संस्कार के लिए बारिश से बचने के लिए तिरपाल और प्लास्टिक की पन्नी का सहारा लेना पड़ा। तेज बारिश के बीच खुले स्थान पर अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी की गई। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में आजादी के बाद से अब तक मुक्तिधाम का निर्माण नहीं हो सका है।

शुक्रवार को हलकाई अहिरवार के निधन के बाद परिजन और ग्रामीण अंतिम संस्कार के लिए श्मशान स्थल पहुंचे। इसी दौरान तेज बारिश शुरू हो गई। मुक्तिधाम और छत की व्यवस्था नहीं होने के कारण लोगों ने तिरपाल और प्लास्टिक की पन्नी लगाकर बारिश से बचाव का इंतजाम किया। बारिश के कारण अंतिम संस्कार में इस्तेमाल होने वाली लकड़ियां और अन्य सामग्री भी भीग गई, जिससे अंतिम संस्कार की प्रक्रिया में लोगों को काफी परेशानी का सामना करना



पड़ा। ग्रामीणों का कहना है कि बारिश के मौसम में सैपुरा में अंतिम संस्कार करना हर साल चुनौती बन जाता है। गांव में स्थायी मुक्तिधाम नहीं होने के कारण खुले स्थान पर ही शवों का अंतिम संस्कार करना पड़ता है। मौसम खराब होने पर परिजनों और ग्रामीणों की मुश्किलें और बढ़ जाती हैं। शुक्रवार की घटना ने एक बार फिर गांव में मुक्तिधाम की जरूरत को सामने ला दिया।

ग्रामीणों के मुताबिक गांव में श्मशान घाट के लिए जमीन निर्धारित है, लेकिन उस जमीन पर अतिक्रमण होने के कारण उसका समुचित उपयोग नहीं हो पा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि इस समस्या को लेकर वे पहले भी तहसीलदार को लिखित आवेदन देकर श्मशान घाट की जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग कर चुके हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि आवेदन और शिकायतों के बावजूद अब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया। नतीजतन शुक्रवार को बारिश के दौरान एक बार फिर लोगों को पन्नी और तिरपाल के सहारे अंतिम संस्कार करना पड़ा। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और संबंधित अधिकारियों से श्मशान घाट के लिए निर्धारित भूमि की जांच कराने, यदि अतिक्रमण है तो उसे हटाकर जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराने तथा वहां जल्द से जल्द मुक्तिधाम का निर्माण कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि अंतिम संस्कार जैसी बुनियादी और मानवीय जरूरत के लिए भी यदि बारिश में पन्नी का सहारा लेना पड़े तो यह गांव में लंबे समय से चली आ रही समस्या की गंभीरता को दर्शाता है। अब ग्रामीणों की निगाह प्रशासन की कार्रवाई पर है कि शिकायतों के बाद श्मशान घाट की जमीन को लेकर क्या कदम उठाए जाते हैं और सैपुरा को आखिर कब अपना स्थायी मुक्तिधाम मिल पाता है।

स्कूल स्टाफ और रसोइया के बीच विवाद के चलते एक महीने से बंद है बच्चों का खाना

पीएम पोषण में रसोइया ने दिखाई शक्ति पति संग मिलकर शाला प्रभारी को पीटा

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

पीएम पोषण शक्ति योजना के तहत स्कूली बच्चों को खिलाए जाने वाले भोजन को लेकर एक सरकारी स्कूल में विवाद उस समय सड़क पर जग हंसाई का कारण बन गया जब स्कूल की रसोइया ने अपने पति के साथ मिलकर हेडमास्टर की चप्पलों से पिटाई लगा दी। स्कूल के भीतर हुआ यह झगड़ा सड़क तक तब आ गया मारपीट से बचने के चक्कर में हेडमास्टर भागकर स्कूल के बाहर आ गया और इस लड़ाई के वीडियो आसपास के दुकानदारों ने बना लिए जिसमें हेडमास्टर को रसोईया दौड़ा दौड़ाकर चप्पल से पीटती दिख रही है। इस मामले में हेडमास्टर और स्कूल के स्टाफ ने थाने में पहुंचकर रसोईया और उसके पति के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाने के लिए आवेदन दिया है। पर प्रश्न यह उठ रहा है कि एक महीने से भी अधिक समय से इस स्कूल में मध्यान्ह भोजन को लेकर विवाद चल रहा है और बच्चे स्कूल का बना भोजन खाने के बजाय घर से टिफिन लेकर आ रहे हैं तो फिर इस योजना को संचालित करने वाला शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन इस मामले में आंखें मूंदे क्यों बैठा हुआ था।



रसोइया और उसके पति पर एफआईआर दर्ज

हेडमास्टर की चप्पलों से मारपीट करने संबंधी मामले में कोतवाली थाना पुलिस ने रसोइया और उसके पति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। कोतवाली थाना पुलिस ने बताया कि यह एफआईआर स्कूल के हेडमास्टर की शिकायत पर दर्ज की है। मारपीट की घटना के बाद छात्रों के साथ कोतवाली थाने पहुंचे स्कूल के हेडमास्टर कमलजीत सिंह ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि नसीर बानो और उसके पति इस्माइल के द्वारा स्कूल परिसर में दाखिल होने के बाद गाली गलौच करते हुए न केवल शासकीय कार्य में व्यवधान उत्पन्न किया, बल्कि मारपीट भी की गई है। हेडमास्टर की इस रिपोर्ट पर कोतवाली थाना पुलिस ने गाली गलौज, मारपीट और शासकीय कार्य में बाधा सहित अन्य कई धाराओ में नसीर बानो और इस्माइल के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है।

दुकानदारों द्वारा बनाए गए जो वीडियो बाजार में वायरल हो रहे हैं उसमें स्कूल के गेट के बाहर रसोईया का पति हेड मास्टर का हाथ मरोड़ता और रसोइया उसे चप्पल से पीटती दिखाई दे रही है। हेड मास्टर बचने के लिए सड़क पर दौड़ लगा रहा है और रसोइया उसे पीटते हुई जा रही है। सोशल मीडिया पर इस घटना की चर्चा रसोइया और हेड मास्टर के बीच मार्ग कुटाई से अधिक इस बात को लेकर हो रही है कि जब एक महीने से इस स्कूल में मध्यान्ह भोजन को लेकर विवाद चल रहा है और 1 महीने से अधिक समय से बच्चे स्कूल का भोजन नहीं कर रहे हैं तो फिर प्रशासन ने इस मामले में अभी तक संज्ञान क्यों नहीं लिया जबकि इस विवाद को लेकर कई जांच हो चुकी है कलेक्टर के निर्देश पर डिप्टी कलेक्टर अलग से जांच कर प्रतिवेदन सौप चुके हैं बीआरसी के तीन प्रतिवेदन है पर इस मामले में देर बता रही है कि एमडीएम योजना में किस तरह भ्रष्टाचार के तार जिले के वरिष्ठ अधिकारियों से जुड़े हैं।

क्या है विवाद

स्कूल की एक शिक्षक ने बताया कि स्कूल में यह विवाद एमडीएम की उपस्थिति लगाने को लेकर शुरू हुआ था। समूह संचालक हेड मास्टर से अधिक उपस्थित लगाने का अनुरोध कर रहा था जिसको लेकर लगातार विरोध शिकवे शिकायत तक पहुंच गया। समूह का आरोप था कि हेडमास्टर उपस्थिति लगाने के बदले रिश्वत मांगता है और हेड मास्टर समूह पर अधिक उपस्थिति लगाने का दवाब बनाने की बात कह रहा था। शिकायत बीते 2 साल से की जा रही थी। चूंकि मामला हेडमास्टर और समूह के बीच का था इसलिए बाकी स्टाफ इस विवाद से दूरी बनाए हुए था लेकिन अब स्कूल की रसोइया जो समूह की संचालक भी है ने एक आवेदन कलेक्टर को रजिस्ट्री के माध्यम से भिजवाया जिसमें लिखा था कि स्कूल का हेड मास्टर उनकी अनुपस्थिति में स्कूल की रसोई में घुसकर खाने में जहर मिला रहा था जिसे उसने देख लिया। इस गंभीर शिकायत के बाद पूरा स्टाफ हेड मास्टर के साथ हो गया और उसने यह कहते हुए वरिष्ठ अधिकारियों का आवेदन दे दिया कि जब तक समूह नहीं बदलेगा तब तक बच्चों को समूह का बना खाना नहीं खिलाएंगे। समूह संचालक कभी भी खाने में जहर मिलाकर हमें फसाने के कार्रवाई कर सकता है साथ ही बच्चों के जीवन की सुरक्षा को देखते हुए उन्हें खाना नहीं खिलाएंगे। 10 अगस्त को आवेदन देने के बाद से ही स्कूल में भोजन बंद है प्रश्न यहां भी है उठ रहा है कि जब बच्चों को जहर देने के प्रयास वाली गंभीर बात प्रशासन के संज्ञान में आ गई तो वह अभी तक एक महीना गुजार देने के बाद भी क्या किसी बच्चे की खाने से मौत होने का इंतजार कर रहा था।

एफआईआर दर्ज

इस मामले में हेडमास्टर की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर उसे विवेचना में ले लिया है। विवेचना उपरांत मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सत्यम गुर्जर
कोतवाली टीआई,श्योपुर

किला गेट के भीतर 10 मीटर दायरे में तीन जगह से खिसकी सड़क

जानलेवा गड्ढा, दुर्घटना से बचाने नागरिकों ने लगाए बैरिकेड



हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

बीते दिनों आई बाढ़ के कारण किला गेट के भीतर चढ़ाई पर तीन जगह बड़े बड़े गड्ढे बन गए हैं। और यह गड्ढे इतने बड़े और खतरनाक हैं कि यहां से गुजरते समय वाहन चालकों को दिखाई भी नहीं देते जिससे दुर्घटना होना तय हैं। लोगों को गंभीर दुर्घटना से बचाने के लिए राहगीरों ने गड्ढो को बैरिकेड्स लगाकर दुर्घटना से बचाने का इंतजाम तो कर लिया लेकिन यह जुगाड़ कब तक चलेगा कह नहीं सकते क्योंकि इन बैरिकेड्स के लगाने से आवागमन भी बाधित हो रहा है।

किला गेट के भीतर घुसते ही एक बड़ा गड्ढा तब से ही मान गया है जब बारिश के कारण यह क्षेत्र पानी में डूब गया था यहां से रोड क्रॉस होकर अंडरग्राउंड नाला जा रहा है उक्त नाले पर रखी पट्टी बाढ़ आने के बाद हट गई या फिर किसी भारी वाहन की वजह से टूट गई कह नहीं सकते लेकिन नाले की पट्टी टूटने से रोड की चौड़ाई आधी रह गई है जिससे वाहनों के निकालने में भारी परेशानी हो रही है। यही एक पॉइंट नहीं है जो गड्ढे के कारण अवरोध पैदा कर रहा हो 10 मीटर के एरिया में तीन जगह से सड़क इसी तरह टूटी हुई है, इस से उपर बगीची बस्ती की और जाने वाले रास्ते के पास जो गेट बना हुआ है वहां भी सड़क दो जगह से टूट चुकी है जिसके आसपास भी बैरिकेड्स लगाकर दुर्घटना रोकने का जुगाडू प्रयास किया गया है।

मंदिरों व स्कूल वाहनों के आने जाने का है रास्ता

किला बस्ती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु श्रीराम मंदिर और जैन मंदिर पर रोज दर्शन करने आते हैं यहां पर वाहनों के साथ मंदिरों पर दर्शन करने आने वाले दर्शनार्थीयों को इन गड्ढों के कारण परेशानी तो हो रही है साथ ही शहर का बड़ा प्राइवेट स्कूल भी है जिसमें 1000 से अधिक संख्या में बच्चे पढ़ते हैं उन बच्चों को बस से लाना ले जाने का काम भी किया जाता है और बस उसी जगह से होकर गुजरती है जहां से सड़क टूटी हुई है जिससे हमेशा दुर्घटना के आशंका बनी रहती है। कुल मिलाकर यह स्थल दुर्घटनाओं को आमंत्रण देने वाला और यात्रा के मामले में बेहद संवेदनशील भी है इस सड़क का पूरी तरह मेंटेनेंस कराए जाने की जरूरत है।

इनका कहना..

विगत दिनों बाढ़ के बाद जहां पहले गेट के पास नाला टूट जाने से रास्ता अवरुद्ध हो रहा है वही ऊपर के गेट पर सड़क के भीतर भूस्खलन होने से दो जगह से सड़क टूट गई है मैंने सीएमओ को आवेदन देकर सड़क का मेंटेनेंस करने की मांग की है। साथ ही बैरिकेड लगाकर दुर्घटना से लोगों को बचाने का प्रयास किया है।

इमरान खान (शानू)
पार्षद प्रतिनिधि वार्ड नं 01

मौसम ने फिर ली करवट बारिश से तरबतर हुआ जिला



हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

बीते तीन-चार दिनों से पड रही भीषण गर्मी और उमस से लोगों को तब राहत मिली जब शुक्रवार को अपरान्ह 3 बजे के करीब बारिश हुई। यह बारिश श्योपुर मुख्यालय सहित जिले भर में हुई यह बारिश खेती किसानी में भी लाभदायक मानी जा रही है।बीते तीन-चार दिनों से न सिर्फ तेज गर्मी उमस पड़ रही थी बल्कि धूप भी तेजी के साथ निकल रही थी। जिससे भादो में भी चेत की गर्मी का सा एहसास हो रहा था। लोग धुप से बचने के लिए चेहरे ढक्कर निकलने को मजबूर बने हुए थे। शुक्रवार को आई बारिश ने इस गर्मी से लोगों को राहत दी और खेतों में बारिश अमृत का काम किया।

अवैध रेत स्टॉक पर कार्रवाई, 25 घन मीटर रेत का विनिष्टीकरण

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

कलेक्टर शीला दाहिमा के मार्गदर्शन में खनिज एवं पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए एफसीआई गोदाम के पीछे श्योपुर में स्टॉक कर रखी गई लगभग 25 घन मीटर रेत का विनिस्टीकरण करने की कार्यवाही की गई है। खनिज अधिकारी राजेश कुमार गगेंले ने बताया कि एफसीआई गोदाम के पीछे अवैध रेत के भण्डारण पर खनिज एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए लगभग 25 घन मीटर रेत का विनिष्टीकरण कराया गया।



नेशनल लोक अदालत का आयोजन आज

श्योपुर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं म0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के दिशा-निर्देशानुसार एवं माननीय प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बी.एल प्रजापति के मार्गदर्शन में 12 सितंबर, 2026 (शनिवार) को जिला न्यायालय श्योपुर एवं तहसील न्यायालय विजयपुर में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। उक्त नेशनल लोक अदालत के दौरान गठित 11 खण्डपीठों के पीठासीन अधिकारियों द्वारा लंबित राजीनामा योग्य आपराधिक प्रकरण, सिविल प्रकरण, बैंक रिकवरी, एन.आई एक्ट की धारा 138. क्लेम प्रकरण, लेबर डिस्प्यूट विद्युत एवं जलकर, पारिवारिक विवाद भूमि अधिग्रहण राजस्व प्रकरण (जिला न्यायालय में लंबित) के साथ-साथ विभिन्न विभागों के प्रीलिटिगेशन प्रकरणों में एन.आई. एक्ट की धारा, 138, क्लेम प्रकरण, लेबर डिस्प्यूट विद्युत नगर पालिका से संबंधित कर एवं जलकर तथा अन्य राजीनामा योग्य पारिवारिक प्रकरण, आपराधिक प्रकरण एवं सिविल प्रकरणों का निराकरण भी किया जावेगा।

राहुल गांधी के कार्यक्रम में शामिल होने श्योपुर से भी इंदौर जाएंगे विद्यार्थी

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

19 सितंबर छात्र सम्मेलन में भागीदारी करने के लिए इंदौर आ रहे कांग्रेस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राहुल गांधी के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए श्योपुर से भी विद्यार्थी इंदौर पहुंचेंगे। इस संबंध में शुक्रवार को एक बैठक आयोजित हुई जिसमें श्योपुर से छात्र-छात्राओं को इंदौर ले जाने और कार्यक्रम में भागीदारी कराने पर चर्चा की गई।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष मांगीलाल फौजी की अध्यक्षता एवं जिला प्रभारी विजय सिंह चौहान की उपस्थिति में महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक में आगामी 19 सितंबर को इंदौर में राहुल गांधी द्वारा छात्रों की आवाज़ एवं उनके महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर आयोजित किए जा रहे कार्यक्रम को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम में श्योपुर जिले से अधिक से अधिक संख्या में कांग्रेस पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं युवाओं की सहभागिता सुनिश्चित करने तथा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संगठनात्मक तैयारियों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर विधायक बाबू जंडेल, पूर्व जिलाध्यक्ष अतुल चौहान, जनपद अध्यक्ष रीना आशीष मीणा आदि नेता उपस्थित रहे।



बाबा रामदेवजी के दर्शन कर सोंईकलां लौटा श्रद्धालुओं का कारवां,ग्रामीणों ने किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

बाबा रामदेवजी के दर्शन के लिए सोंईकलां से रवाना हुआ आस्था का कारवां धार्मिक यात्रा पूरी कर सकुशल वापस लौट आया है। ग्राम पंचायत सोंईकलां के सरपंच हरिसिंह रावत की पहल पर गत 6 सितंबर को रवाना हुई इस यात्रा का रामदेवरा से वापसी पर दांतरदा और सोंईकलां में ग्रामीणों ने पुष्पमाला पहनाकर आत्मीय व भव्य स्वागत किया।

यात्रा के समापन पर सोंईकलां स्थित बाबा रामदेव मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की गई। बता दें कि पांच बसो के द्वारा की गई इस यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने रामदेवरा के मुख्य दरबार सहित जोगनिया माई, सांवरिया सेठ, नाथद्वारा, चित्तौड़गढ़, अजमेर, पुष्कर, मेड़ता, मीराबाई मंदिर, जोधपुर, मसूरिया पीर और पोकरण जैसे प्रमुख धार्मिक स्थलों के दर्शन किए। सरपंच हरिसिंह रावत ने बताया कि, इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को धार्मिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों से जोड़ना है।



सडक के गड्ढों में सूखी गिट्टियां डाल कर दी खानापूर्ति,बढ़ा हादसों का खतरा

गारंटी अवधि खत्म होने के सवा दो साल पहले ही गड्ढों में बदली 30 करोड़ से बनी सड़क

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत चंबल नहर रोड होते हुए श्योपुर से ढोढर तक करीब 30 करोड रूपए की लागत से निर्मित सडक के निर्माण की गुणवत्ता गंभीर सवालों के घेरे में आ गई है। क्योंकि 35 किलोमीटर लंबी यह सडक गारंटी अवधि खत्म होने के करीब सवा दो साल पहले ही गड्ढो में बदल गई है। इस सडक पर न केवल कई जगह से धंसक गई है,बल्कि गड्ढे भी अनगिनत हो गए है कि जिन्हें देखकर इस सडक से गुजरने वाले लोग कष्टमय सफर के बीच अचंभे में पड रहे है।

खास बात यह है कि दिखावे के लिए विभाग की ओर से इस सडक की मरम्मत कराई जा रही है, मगर कराई जा रही मरम्मत भी वाहन सवार लोगो को राहत देने के बजाय उनके कष्ट और बढा रही है। क्योंकि सडक के गड्ढों में डामर और अन्य बाइंडिंग मटेरियल डालने की जगह केवल सूखी गिट्टियां डालकर खानापूर्ति की जा रही है। सड़क पर बिखरी गिट्टियां दोपहिया वाहन चालकों के लिए हादसों का कारण बन रही हैं, वहीं भारी वाहनों के पहियों से उछलकर अन्य वाहन चालकों और राहगीरों के लिए भी खतरा पैदा कर रही हैं। इसके बाद भी जिम्मेदार विभागीय अधिकारी खामौशी की चादर ओढ नजर आ रहे है। जिसे देखकर इस सडक को बनाने वाले ठेकेदार और विभागीय अधिकारियों के बीच जबरदस्त मिलीभगत होने की आशंका दिख रही है। यहां बताना होगा कि चंबल नहर होते हुए श्योपुर से ढोढर तक जाने वाली सडक अब श्योपुर जिले की सबसे महत्वपूर्ण ग्रामीण सडक बन गई है। क्योंकि इस सडक से न केवल एक सैकडा से अधिक गांवों का सीधा जुडाव है,बल्कि यह सडक रघुनाथपुर, श्यामपुर, विजयपुर, सबलगढ और मुरैना पहुंचने के लिए सबसे सीधा मार्ग भी है। इसलिए श्योपुर से रघुनाथपुर, श्यामपुर, विजयपुर और सबलगढ व मुरैना जाने के लिए लोग अपने निजी वाहनों के जरिए इसी सडक से होकर गुजरते है।



बनते ही उखड़ना शुरू हो गई थी सड़क,सोते रहे जिम्मेदार

बताया जा रहा है कि 30 करोड की लागत से श्योपुर से ढोढर तक बनी 35 किलोमीटर लंबी इस सडक की गारंटी अवधि जनवरी 2029 को कंपलीट हो रही है। लेकिन यह सडक बनने के कुछ समय बाद ही उखडना शुरू हो गई थी। जिससे इस सडक के निर्माण की गुणवत्ता की पोल खुलकर सामने आ गई। इसके बाद भी निर्माण एजेंसी के खिलाफ विभाग की ओर से कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। उल्टा पैबंद लगाकर सडक के घटिया निर्माण को छिपाने का काम किया जाता रहा। जिसकारण यह सडक वर्तमान में जहां कई जगह से धंसक गई है,वहीं जगह जगह गड्ढे हो जाने से छलनी हो गई है। विशेष बात यह है कि जिस जगह सडक धंसकी है,उस जगह सडक की चैडाई भी कम रह गई है। इससे लोगों का सफर मुश्किल भरा ही नहीं,बल्कि जोखिमभरा भी हो गया है।

मरम्मत के नाम पर की गई खानापूर्ति से बढा खतरा

श्योपुर-ढोढर चंबल केनाल रोड पर किए जा रहे मेंटेनेंस ने भी लोगों की चिंता बढ़ा दी है। सड़क के गड्ढों की मरम्मत तकनीकी मानकों के अनुरूप करने के बजाय उनमें केवल सूखी गिट्टियां डालकर औपचारिकता पूरी की जा रही है। डामर और बाइंडिंग मटेरियल के अभाव में गिट्टियां कुछ ही समय में सड़क पर बिखर जाती हैं और गड्ढे फिर पहले जैसे हो जाते हैं। इसके अलावा सड़क पर फैली गिट्टियां दोपहिया वाहन चालकों के लिए फिसलन और चारपहिया वाहनों के लिए दुर्घटना का कारण बन रही हैं। क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि अब तक इस सडक पर कई सडक हादसे भी घटित हो चुके है, जिनमें लोगो की जान तक जा चुकी है।

बैठकों में भी कई बार उठ चुका मामला

पिछले दिनों कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में क्षेत्रीय सांसद शिवमंगल सिंह तोमर की अध्यक्षता में आयोजित हुई बैठक के दौरान श्योपुर ढोढर चंबल नहर रोड के घटिया निर्माण का मामला भी उठा। इसके पहले भी हो चुकी कई बैठको के दौरान भी यह मामला उठ चुका है, लेकिन इसके बाद भी न तो सडक का घटिया निर्माण करने वाली निर्माण एजेंसी पर कोई कार्रवाई हो सकी और न ही सडक की जर्जर स्थिति में सुधार हो सका है।

महाप्रबंधक ने नहीं उठाया फोन, एसडीएम बोले दिखवाता हूं मामला

चंबल नहर रोड होते हुए श्योपुर से ढोढर बनी सडक के निर्माण को लेकर जब प्रधानमंत्री ग्राम सडक योजना विभाग के महाप्रबंधक सतेन्द्र सिंह से उनका पक्ष जानने के लिए उनके मोबाइल नंबर पर दो बार कॉल किया,मगर उन्होने कॉल रिसीव नहीं किया। जबकि एसडीएम श्योपुर गगन सिंह मीणा का इस संबंध में कहना है कि मुझे इस सडक निर्माण के संबंध में जानकारी नहीं है,लेकिन आप बता रहे हो तो संबंधित अधिकारियों से इस सडक निर्माण की जानकारी लेकर कार्रवाई की जाएगी।

छात्राओं से रूबरू हुईं कलेक्टर विभिन्न व्यवस्थाओं के दिए निर्देश

श्योपुर। कलेक्टर शीला दाहिमा द्वारा मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान अंतर्गत श्योपुर में आयोजित कार्यक्रम के क्रम में शासकीय कन्या महाविद्यालय का निरीक्षण किया गया तथा महाविद्यालय में छात्राओं से चर्चा की गई। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत कार्तिकेय जायसवाल, एसडीएम गगन मीणा आदि उपस्थित रहें। कलेक्टर शीला दाहिमा द्वारा शासकीय कन्या महाविद्यालय में विभिन्न कक्षाओं, प्रयोगशालाओं, पुस्तकालयों, सेमिनार हॉल सहित अन्य कक्षों का निरीक्षण करते हुए पुस्तकालय में पर्याप्त किताबों की व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने के निर्देश दिये। इस दौरान उन्होंने कन्या कॉलेज में फायर सेफ्टी सिस्टम का अवलोकन भी किया। कलेक्टर द्वारा छात्राओं की ओर से अवगत कराये जाने पर मार्ग में पुलिस गश्त की व्यवस्था किये जाने के निर्देश भी दूरभाष पर पुलिस अधिकारियों को दिये गये। कलेक्टर शीला दाहिमा द्वारा महाविद्यालय में व्याप्त अव्यवस्थाओं तथा उचित साफ-सफाई नही मिलने और छात्राओं की कम उपस्थिति पर असंतोष प्रकट करते हुए प्राचार्य डॉ ओपी शर्मा सहित समस्त स्टॉफ को निर्देश दिये गये कि कॉलेज के सुचारू संचालन के लिए सभी प्रकार की व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जायें और अभिभावको से बात कर महाविद्यालय में छात्राओं की उपस्थिति सुनिश्चित की जायें। उन्होंने अव्यवस्थाओं के लिए प्राचार्य डॉ ओपी शर्मा एवं प्रशासनिक अधिकारी बामनिया एवं कॉमर्स संकाय में विद्यार्थियों के एडमिशन की न्यून स्थिति पर सहायक प्राध्यापक डॉ मंजू शाक्य को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। कलेक्टर शीला दाहिमा द्वारा इसके साथ ही नगरपालिका के निर्माणाधीन भवन का निरीक्षण भी किया गया। इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष रेणु सुजीत गर्ग, सांसद प्रतिनिधि सुजीत गर्ग, सीएमओ नरेन्द्र जाटव, उपयंत्री पवन गर्ग आदि मौजूद रहें। कलेक्टर शीला दाहिमा द्वारा निरीक्षण के दौरान नगरपालिका भवन के ड्रांइग और डिजाइन का अवलोकन किया गया तथा संबंधित निर्माण एजेंसी को शीघ्रता से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये। यह भवन 5 करोड रूपये की लागत से निर्माणाधीन है। नगरपालिका अध्यक्ष रेणु सुजीत गर्ग ने जानकारी दी कि निर्माणाधीन भवन को दीपावली तक पूर्ण कराने के प्रयास किये जा रहे है। उन्होंने बताया कि नगरपालिका के सामने वाले भाग पर अटल पार्क विकसित किया जायेंगा तथा पीछे वाले भू-भाग पर आगामी समय में कर्मचारियों के लिए निवास बनाये जायेंगे। उन्होंने यह जानकारी भी दी कि पुराने नगरपालिका भवन पर मल्टीलेबल पार्किंग बनाने का प्रस्ताव भी पास किया गया है।



खबर संक्षेप

चंदेरी में वाहनों की चेकिंग कर की कार्रवाई

अशोकनगर। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी क्षितिज सोनी द्वारा गुरूवार को चंदेरी में परिवहन विभाग द्वारा वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। चेकिंग के दौरान नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर 11 वाहनों के चालान बनाए गए। कार्यवाही के दौरान कुल 45,800 रुपये की राशि वसूल की गई।

मर्ग की जांच पर से मामला दर्ज

अशोकनगर। जिले के कचनार थाने के अंतर्गत 1 जून 2026 को पीड़िता भग्गो बाई पत्नि देशराज बंजारा उम्र 45 साल ने पारिवारिक समस्याओं के चलते प्रताड़ना से परेशान होकर जहरीला पदार्थ खा लिया था जिसके बाद उपचार के दौरान मौत हो गई थी। उक्त मामले की जांच उपनिरीक्षक गौरीशंकर ओझा द्वारा की जा रही थी जिस पर से पुलिस ने मृतिका के पति देशराज बंजारा पर मामला दर्ज किया है।

मारपीट की घटनाओं के कई मामले दर्ज

अशोकनगर। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में मारपीट की घटनाओं के कई मामले दर्ज किए गये हैं। जिले के बहादुरपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत अथाईखेड़ा निवासी पूजा साहू ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी उसके पति रोहित साहू ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के बहादुरपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बीलाखेडा निवासी प्रेमसिंह यादव ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी बाबू यादव ने उससे मारपीट की और अंगूठा मूंह से काट दिया। जिले के नईसरायं थाना क्षेत्र के अंतर्गत नईसरायं निवासी यशवंत कुशवाह ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी शिब्बू, नारायण और रवि रजक ने दीवाल की ईंट गिराई और उससे मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। जिले के चंदेरी थाना क्षेत्र के अंतर्गत चंदेरी निवासी अजय रैकवार ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी रामगोपाल, बेंटू, चार्ली रैकवार ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी।

मारपीट करने वाले दोषी को सश्रम कारावास

अशोकनगर। प्रथम न्यायिक मजिस्ट्रेट शुभम द्विवेदी जिला अशोकनगर द्वारा 25/08/2026 को निर्णय पारित करते हुये जमीनी विवाद को लेकर मारपीट करने वाले आरोपी वरूण जैन पुत्र प्रमोद कुमार जैन, निवासी ग्राम पिपरिया, थाना कचनार, जिला अशोकनगर को 02 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 1000 रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। प्रकरण में शासन की ओर से अभियोजन संचालन जिला अभियोजन अधिकारी संजीव श्रीवास्तव के निर्देशन में सहायक जिला अभियोजन अधिकारी प्रीती भदौरिया द्वारा किया गया। मीडिया सेल प्रभारी जिला अभियोजन संचालनालय द्वारा बताया गया कि फरियादी रिंकी ने थाने आकर रिपोर्ट लेख कराई कि, उसने ननद गुड्डी उर्फ लक्ष्मी को कहा कि बेटे आदित्य की फीस जमा करना है। 4 दिन से स्कूल फीस भरने के लिए स्कूल वालों के फोन आ रहे हैं। तो ननद ने कहा कि अगर उसके पास पैसा नहीं है तो बेटे को मत पढ़ाओ स्कूल में उनके पास उसके बेटे के लिए कोई पैसा नहीं है। इसी बात को लेकर मारपीट की गई।

डॉक्टरों की कमी से जूझ रहा है अस्पताल, अब तक कोई इंतजाम नहीं

जिला अस्पताल में वायरल बुखार के रोगी बढ़े, मरीजों की भरमार

अस्पताल से लेकर डॉक्टरों के क्लीनिकों पर करना पड़ रहा है अपनी बारी का इंतजार

हरिभूमि न्यूज ⏭ अशोकनगर





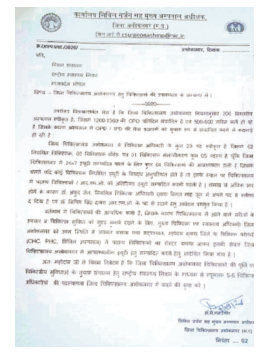
अशोकनगर जिला मुख्यालय बनने के बाद और यहां के अस्पताल को जिला अस्पताल का दर्जा मिलने के बाद लोगों ने यह उम्मीदें जताईं थी कि स्वास्थ्य सुविधाओं में सबसे पिछड़े इस क्षेत्र में आमजनों को अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकेगीं, लेकिन स्वास्थ्य तो दूर अस्पताल खुद समस्याओं का मुख्यालय बना है, अगर डॉक्टर नहीं होगें तो इलाज कैसे होगा। वायरल बुखार के मरीजो ने अस्पताल को घेर रखा है। क्षमता से कई गुना मरीज अस्पताल में बड़ी उम्मीदों के साथ पहुंच रहे हैं लेकिन यहां डॉक्टरों की कमी होने के कारण उपचार भगवान भरोसे चल रहा है।

अशोकनगर का अस्पताल सिंधिया स्टेट के समय एक डिसपेंसरी से 1926 में प्रारम्भ हुआ था, तब से यहां की जनता स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर संघर्ष करती आ रही है, आज भी वह संघर्ष की दास्तां पूरी नहीं हो पाई है। वर्ष 2006 में यहां की अस्पताल को जिला अस्पताल का दर्जा मिला, लेकिन जिला अस्पतला जैसे इंतजाम यहां नहीं हैं, जब जिला मुख्यालय की असपताल का यह हाल है तो जिले में जितने भी स्थानों पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र हैं वहां का भगवान मालिक है। यह हाल जिला अस्पताल के बने हुए है, न तो यहां कोई रेडियों लाजिस्ट है न पैथोलॉजिस्ट है न नेत्र रोग विशेषज्ञ है, ऐसे कई विशेषज्ञों के पद खाली पड़े हैं जबकि ट्रामा सेंटर यहां बना हुआ है लेकिन ट्रामा सेंटर आज तक चालू नहीं हो पाया है। अभी अस्पताल 200 बिस्तर का है अब नया अस्पताल 350 बिस्तर का बन रहा है ,जब तक डॉक्टर नहीं होगें तब तक मरीजों का उपचार कैसे होगा।

सिविल सर्जन ने मिशन संचालक को पत्र लिखा

जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉक्टर बी.एल टैगोर ने मिशन संचालक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन को अशोकनगर अस्पताल में डॉक्टरों की भारी कमी और मरीजों की भरमार को लेकर पत्र लिखा है और अतिरिक्त डॉक्टरों की सुविधा उपलब्ध कराए जाने की मांग की है।

200 बिस्तर का अस्पताल 500 मरीज भर्ती, हर दिन ओपीडी में 1500 मरीज सिविल सर्जन के द्वारा कहा गया है कि जिला चिकित्सालय अशोकनगर नियमानुसार 200 बिस्तरीय अस्पताल स्वीकृत है, जिसमे 1200-1500 की ओपीडी प्रतिदिन संचालित है एवं 500-600 मरीज भर्ती हो रहे है जिसके कारण अस्पताल में ओपीडी एवं आईपीडी की सेवा प्रदायगी को सुचारू रूप से संचालित करने में कठनाई हो रही है।



23 पदों में से कुल 5 चिकित्सक ही दे रहे हैं सेवाएं

जिला चिकित्सालय अशोकनगर में चिकित्सा अधिकारी के कुल 23 पद स्वीकृत है जिसमे 02 नियमित चिकित्सक, 02 चिकित्सक बॉडेड, एवं 01 चिकित्सक संलग्नीकरण कुल 05 पदस्थ है चूंकि जिला चिकित्सालय में 24 घण्टे इ्यूटी सम्पादित करने के लिए कुल 04 चिकित्सको की आवश्यकता होती है। जिसके चलते यदि कोई चिकित्सक निर्धारित इ्यूटी के विरुद्ध अनुपस्थित होते है तो इनके स्थान पर चिकित्सालय में पदस्थ चिकित्सकों/आर.एम.ओ. को अतिरिक्त इ्यूटी सम्पादित करनी पड़ती है। क्षमता से अधिक भार होने के कारण डॉ. अंकुर जैन, नियमित चिकित्सा अधिकारी द्वारा विगत माह जून में अपने पद से इस्तीफा दे दिया है एवं डॉ. विपिन सिंह द्वारा आर.एम.ओ. के पद से हटाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

आपातकालीन इ्यूटी में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के डॉक्टर दे रहे हैं सेवाएं।

वर्तमान में चिकित्सको की अत्यधिक कमी है, जिसके कारण चिकित्सालय में आने वाले मरीजों के उपचार व चिकित्सा सुविधा को सुढ़ढ बनाये रखने के लिए, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला अशोकनगर को उक्त स्थिति से अवगत कराया गया तपश्चात, उनके द्वारा जिले के विभिन्न स्थानों पर संचालित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में पदस्थ चिकित्सकों का रोस्टर बनाया जाकर इनकी सेवाएं जिला चिकित्सालय अशोकनगर में आपातकालीन इ्यूटी हेतु सम्पादित करने हेतु आदेशित किया गया है।

जिन डॉक्टरों की बदली हुई उनकी जगह कोई नहीं आया

जिला अस्पताल में कई डॉक्टर या तो इस्तीफा देकर जा चुके हैं या उन्होंने बदली करा ली है या फिर कई डॉक्टर सेवानिवृत हो गए हैं। जो बचे खुचे डॉक्टर हैं वहीं जिला अस्पताल को संभाल रहे हैं, प्रशासनिक पद पर बैठे सिविल सर्जन को भी कई बार अपनी सेवाए ओपीडी में देना पड़ रही हैं, श्रद्धा अग्रवाल अभी स्थायी रूप से सोनोग्राफी का काम देखती थीं लेकिन अब वह दो दिन ही मंगलवार और गुरूवार को देखेगीं। जिला अस्पताल में आने वाले प्रसूतिकाओं को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। इसी प्रकार डॉक्टर पंकज शुक्ला का प्रमोशन हो गया है और उन्हें जिला अस्पताल मे ज्वाइन करना है लेकिन आज तक वह ज्वाइन नहीं हुए हैं। जिन डॉक्टरों के स्थानांतरण हुए हैं उनके स्थान पर शासन ने कोई डॉक्टर भी नहीं भेजे हैं।

मरीजों को प्रायवेट डॉक्टरों के यहां कराना पड़ रहा है उपचार

इस कारण मरीजों को जिला अस्पताल के स्थान पर या तो झोलाछाप डॉक्टरों के पास इलाज कराना पड़ रहा है या फिर जिले से बाहर जाकर महंगा इलाज कराने पर लोग मजबूर हैं। इस अस्पताल का हर माह दो बार कलेक्टर निरीक्षण करने पहुंचते हैं सांसद,विधायक,मंत्री कई बार निरीक्षण कर चुके हैं लेकिन होता कुछ नहीं हैं सब कुछ निरीक्षण से पहले जैसा था वैसा ही आज है।

भोपाल मंडल होकर संचालित होंगी

दीपावली एवं छठ महापर्व के दौरान चलेंगी 2 स्पेशल ट्रेन

हरिभूमि न्यूज ⏭ बीना

आगामी दुर्गा पूजा, दीपावली एवं छठ महापर्व के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा एवं सुगम आवागमन के लिए दो जोड़ी विशेष ट्रेनों का संचालन करने का निर्णय लिया गया है। ये विशेष ट्रेनें भोपाल मंडल के प्रमुख स्टेशनों से होकर संचालित होंगी।

ट्रेन नंबर 01415/01416 पुणे–गोरखपुर–पुणे दैनिक स्पेशल ट्रेन नंबर 01415/01416 पुणे–गोरखपुर–पुणे दैनिक स्पेशल का संचालन पुणे से 9 अक्टूबर से 21 नवंबर तक तथा गोरखपुर से 10 अक्टूबर से 22 नवंबर तक किया जाएगा। इस प्रकार इस विशेष ट्रेन के कुल 44 फेरे होंगे।

ट्रेन नंबर 01415 पुणे–गोरखपुर स्पेशल ट्रेन पुणे से प्रातः 06:50 बजे रवाना होगी। यह ट्रेन दौंड कॉर्ड लाइन पर 08:10 बजे, अहमदनगर 9:30 बजे, कोपरगांव 11:28 बजे, मनमाड दोपहर 1:10 बजे, भुसावल 1:55 बजे, खंडवा शाम 6:47 बजे, इटारसी रात 9:10 बजे तथा भोपाल 11:15 बजे पहुंचेगी। इसके बाद बीना रात 1:25 बजे, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी 4 बजे, कानपुर सेंट्रल 8:25 बजे, लखनऊ 10 बजे, गोंडा 12:25 बजे, बस्ती दोपहर 1:55 बजे होते हुए गोरखपुर शाम 4 बजे पहुंचेगी।

इसी तरह ट्रेन नंबर 01416 गोरखपुर–पुणे स्पेशल ट्रेन गोरखपुर से शाम 5:30 बजे रवाना होगी। यह ट्रेन बस्ती 7:12 बजे, गोंडा रात 8:15 बजे, लखनऊ रात 10:30 बजे, कानपुर सेंट्रल रात 12:20 बजे, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी 4:10 बजे, बीना सुबह 8 बजे, भोपाल 10:05 बजे, इटारसी 12:10 बजे, खंडवा दोपहर 3:05 बजे, भुसावल शाम 5 बजे, मनमाड रात 8:10 बजे, कोपरगांव 8:50 बजे, अहमदनगर रात 11:10 बजे पहुंचेगी। इसके बाद दौंड कॉर्ड लाइन पर 1:58 बजे होते हुए पुणे 3:30 बजे पहुंचेगी।

ट्रेन नंबर 01079/01080 मुंबई सीएसएमटी – गोरखपुर – मुंबई सीएसएमटी दैनिक स्पेशल

ट्रेन नंबर 01079/01080 मुंबई सीएसएमटी – गोरखपुर – मुंबई सीएसएमटी दैनिक स्पेशल का संचालन मुंबई सीएसएमटी से 9 अक्टूबर से 20 नवंबर तक तथा गोरखपुर से 11 अक्टूबर से 22 नवंबर तक किया जाएगा। इस विशेष ट्रेन के कुल 43 फेरे होंगे।

ट्रेन नंबर 01079 मुंबई सीएसएमटी–गोरखपुर स्पेशल ट्रेन मुंबई सीएसएमटी से रात 10:30 बजे रवाना होगी। यह ट्रेन दादर 10:45 बजे, ठाणे 11:17 बजे, कल्याण 11:47 बजे, इगतपुरी रात 1 बजे, नासिक रोड 2:20 बजे, मनमाड 3:18 बजे, जलगांव सुबह 5:18 बजे, भुसावल 5:50 बजे, खंडवा 9 बजे, इटारसी 1: 05 बजे, भोपाल दोपहर 3:55 बजे, बीना शाम 7:18 बजे, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी 9:50 बजे तथा उरई 11:08 बजे पहुंचेगी। इसके बाद कानपुर सेंट्रल 2:10 बजे, लखनऊ 4:10 बजे, गोंडा 6:30 बजे, बस्ती 7:52 बजे, खलीलाबाद 8:25 बजे होते हुए गोरखपुर 10 बजे पहुंचेगी।

इसी तरह ट्रेन नंबर 01080 गोरखपुर–मुंबई सीएसएमटी स्पेशल ट्रेन गोरखपुर से दोपहर 2:30 बजे रवाना होगी। यह ट्रेन खलीलाबाद 3 बजे, बस्ती 3:42 बजे, गोंडा 4:55 बजे, लखनऊ 7:50 बजे, कानपुर सेंट्रल रात 10:20 बजे, उरई रात 12:05 बजे, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी 2:10 बजे, बीना 4:35 बजे, भोपाल 6:30 बजे, इटारसी 8:40 बजे, खंडवा दोपहर 1:40 बजे, भुसावल 3:20 बजे, जलगांव 3:50 बजे, मनमाड 5:57 बजे, नासिक रोड 7 बजे, इगतपुरी रात 10:05 बजे, कल्याण 11:37 बजे तथा ठाणे 11:55 बजे पहुंचेगी। इसके बाद दादर रात 12:17 बजे होते हुए मुंबई सीएसएमटी 12:40 बजे पहुंचेगी। भोपाल मंडल जनसंपर्क अधिकारी ने यात्रियों से अपील की है कि परिचालन संबंधी जानकारी आधिकारिक रेलवे माध्यमों से अवश्य प्राप्त कर लें।

पाण्डेय परिवार ने पंडित गणेश प्रसाद के पुण्य स्मरण पर की पहल

पिता के पुण्य स्मरण में पुत्रों ने माध्यमिक शाला को भेंट किया वाटर कूलर व सबमर्सिबल पंप

हरिभूमि न्यूज ⏭ बीना



शासकीय माध्यमिक शाला क्रमांक 3 में स्व. पं. गणेश प्रसाद पाण्डेय (पूर्व शिक्षक, डीएव्ही शाला) के द्वितीय पुण्य स्मरण के अवसर पर एक गरिमामय कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस मौके पर पंडित गणेश प्रसाद पाण्डेय के पुत्र जितेंद्र पांडे, आशीष पांडे द्वारा विद्यार्थियों को स्वच्छ एवं शीतल पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विद्यालय परिसर में सबमर्सिबल पंप और वाटर कूलर समर्पित किया गया। कार्यक्रम के दौरान पाण्डेय परिवार ने शिक्षा के क्षेत्र में सामाजिक सरोकार निभाते हुए भविष्य में भी यथासामर्थ्य हर संभव सहयोग प्रदान करने का संकल्प दोहराया। इस मानवीय पहल की विद्यालय परिवार एवं अतिथियों ने सराहना की। विभागीय अधिकारियों ने पाण्डेय परिवार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास शासकीय शालाओं में अध्ययनरत बच्चों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होते हैं। शिक्षा विभाग की ओर से सहायक संचालक नितेश दुबे, बीआरसीसी महेंद्र सिंह जाट और प्रधानाध्यापक हरिओम कदम उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आशीष गुरु, अंशुल चौबे, कपिल राजपूत एवं विकास राय विशेष रूप से उपस्थित रहे। इसके साथ ही विद्यालय के समस्त शिक्षक, शिक्षिकाएं एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने स्व. पं. गणेश प्रसाद पाण्डेय के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

महिला महासमिति ने दो आयोजन एक साथ कर सामाजिक जिम्मेदारी का निर्वाह किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ अशोकनगर



श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति अशोकनगर द्वारा शिक्षक दिवस एवं विश्व साक्षरता दिवस का आयोजन हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम में अशोकनगर की चारों पाठशालाओं गांव मंदिर, गंज मंदिर, पारसनाथ मंदिर एवं शांति नगर मंदिर की पाठशाला संचालिकाओं एवं उपसंचालिकाओं का समिति द्वारा सम्मान किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ समिति की सभी बहनों द्वारा मंगलाचरण के साथ किया गया। इसके पश्चात सभी ने मनोरंजक खेलों में उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे कार्यक्रम का वातावरण आनंदमय हो गया। समारोह में शांति नगर मंदिर की प्रियंका दीदी एवं अनामिका दीदी, गंज मंदिर की सौम्या दीदी एवं मुस्कान दीदी, पारसनाथ मंदिर की नैंसी दीदी,आयुषी दीदी एवं अनु दीदी तथा गांव मंदिर की जागृति दीदी एवं मुस्कान दीदी का तिलक एवं माल्यार्पण एवं उपहार देकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर पाठशाला संचालिकाओं ने बच्चों को संस्कारवान बनाने, उनमें धार्मिक एवं नैतिक मूल्यों का विकास करने तथा उन्हें धर्म के मार्ग पर आगे बढ़ाने के अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि पाठशालाओं के माध्यम से बच्चों को केवल धार्मिक शिक्षा ही नहीं, बल्कि अच्छे संस्कार, सद्व्यवहार, अनुशासन एवं जीवन को सही दिशा देने वाली महत्वपूर्ण बातें भी सिखाई जाती हैं।

राष्ट्रीय मंत्री इंदु गांधी ने कहा कि हमारी पाठशाला की दीदियां बच्चों को धर्म और संस्कारों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। वे बच्चों को अच्छे संस्कार देने के साथ-साथ जीवन में सही मार्ग पर चलने, बड़ों का सम्मान करने, सदाचार अपनाने एवं मानवीय मूल्यों को समझने की प्रेरणा देती हैं। उनका यह प्रयास समाज की नई पीढ़ी को संस्कारवान एवं धर्मनिष्ठ बनाने में अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम के दौरान सभी पाठशाला दीदियों ने महिला महासमिति की बहनों का सम्मान एवं सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। वहीं महासमिति की महामंत्री प्रियंका जैन ने सभी पाठशाला संचालिकाओं एवं उपसंचालिकाओं का आभार व्यक्त करते हुए उनके द्वारा किए जा रहे निस्वार्थ एवं सराहनीय कार्य की प्रशंसा की। कार्यक्रम का सफल संचालन कोषाध्यक्ष नीतू मूडरा द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अध्यक्ष विभा मोदी ने की। कार्यक्रम में समिति की वरिष्ठ सदस्या विनिता सोनी, सांस्कृतिक मंत्री प्रीति भंडारी, सुनीता चौधरी, सपना अजमेरा, उषा नयनी, नम्रता तिलक मणि, प्रतिभा जैन, मीना, रसिला, सविता, रीना मेडिकल, सिम्मी भारती सुषमा अभिलाषा, पत्रकार नीलम स्वाती सहित समिति की समस्त कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहीं।

